

बिलख रही, गौरा माई, भोला के आगे ॥२॥

हे प्रभु तुमने-ई-का कीन्हो, सिर बालक को-कोहेहीनो  
दे वें के की दुहाई, भोला के आगे  
बिलख रही-

सुनत रुदन गण, दौड़त आये  
ब्रम्हा- विष्णु मिल खें धाये-  
करहे- कौन सुनाई- भोला के आगे  
बिलख रही-

बालक देख सबई घबराने  
काहे गल भई- भोला जाने  
कौन-करे चतुराई- भोला के आगे  
बिलख रही-

इनपे शीश ओई को होये  
पीठ द्यें जो माता सोये  
सबने-दौड़ लग गई- भोला के आगे  
बिलख रही-



विष्णु चक्र चला कहाँ होई  
 पीठ द्ये जे- हथनी सोई  
 कैसी - सुध बिसराई - भोला के आगे

बिलख रहीं - - - -

श्रीष लगत बालक - उठ द्याये  
 सब देवों ने - मंगल गाये  
 बाजन लागी बधाई - भोला के आगे  
 आज मगन गौरा माई - भोला के आगे

प्रथम पूज बालक खों कीन्हों  
 नाम गजानन फिर रख दीन्हों  
 बाजी "श्री बाबा श्री" शहनाई - भोला के आगे  
 भई गणपति अगुवाई - भोला के आगे  
 आज मगन गौरा माई - भोला के आगे